
WILKINSON
STAINLESS STEEL BLADE
BLADE
THE FINEST EDGE

सुश्री विल्किंसन — इस्पात की लेडी

जब भी कुछ दिन ख़ाली मिलते, या गर्मी की छुट्टियों में, पिताजी मुझे अपने साथ अपने ग्राहकों से मिलने ले जाते थे। वे हमेशा भले, खुले दिल से स्वागत करने वाले लोग होते थे, और मैं जितना ठूँस सकता था, उतना खाता था।

मुझे एक ख़ास मौक़ा याद है, जब हमें कॉफ़ी पिलाने एक कैफ़े ले जाया गया। मुझसे पूछा गया कि मैं क्या लूँगा।

“नाशपाती का जूस, प्लीज़।”

बारटेंडर ने मुझे एक छोटी-सी बोतल थमा दी।

मैंने उसे कुछ ही सेकंड में पी डाला और फिर अपने नाशपाती के जूस का इंतज़ार करने लगा।

मेरी नज़र तो पहले ही काउंटर के पीछे रखी एक लीटर की बोतल पर जम चुकी थी।

पहले तो ग्राहक को लगा कि मैं मज़ाक़ कर रहा हूँ।

फिर उसने मेरा मन रख लेने की ठानी।

आख़िर तक आते-आते वह पूरी तरह दंग रह गया था।

उसी हफ़्ते पिताजी कई ऐसे ग्राहकों से मिले जिन्हें अपने कारोबारी जीवन में कभी न कभी जिलेट का माल हासिल करने में दिक़्क़त हुई थी। इस यक़ीन में कि ख़रीदार को कभी पता ही नहीं चलेगा, उन्होंने उसकी जगह विल्किंसन का माल ख़रीदने का फ़ैसला कर लिया था।

यह उलझन समझ में आती थी।

आख़िर विल्किंसन भी तो ब्लेड और शेविंग सिस्टम बेचती थी।

मुश्किल तब खड़ी होती जब ख़रीदार विल्किंसन के रीफ़िल ले जाते और दस मिनट बाद दुकान पर लौट आते, क्योंकि उनका रेज़र उस ख़ास सिस्टम में फ़िट ही नहीं होता था।

वे बस वही एक माँग दोहराते:

“जिलेट।”

कुछ दुकानदार इतने झुँझला गए कि उन्होंने विल्किंसन का माल सीधे मिलान में जिलेट के मुख्यालय को लौटाने तक की कोशिश की।

मामला मेरे पिताजी को सौंपा गया।

और तभी मैंने उन्हें काम करते देखा।

विल्किंसन की क्वालिटी को सबसे पहले मानने वाले ख़ुद मेरे पिताजी थे।

वे खुलकर कहते थे कि विल्किंसन बेहतरीन चीज़ें बनाती है: असली इस्पात, तेज़ और टिकाऊ, जो अक्सर औसत से ज़्यादा चलता है।

फिर उन्होंने वह चीज़ ईजाद की जो आगे चलकर फ्रेगा ऑफ़र के नाम से जानी गई।

“जिलेट की पाँच चीज़ें ख़रीदिए, जैसे चाहें मिला-जुलाकर, और दुकानदार आपको विल्किंसन के पारंपरिक ब्लेडों का एक पैकेट — वही, एक-दूसरे को काटती दो तलवारों वाले — तोहफ़े में देगा।”

तरकीब एकदम कारगर रही।

दुकानदार ने गोदाम से पुराना स्टॉक निकाल दिया।

दुकानदार के हाथ में नक़दी आई।

दुकानदार की माल वाली समस्या सुलझ गई।

और मौसी विल्किंसन बिकती-बँटती रहीं।

एक दिन मैंने पिताजी से पूछा कि वे ऐसा क्यों करते हैं।

“उनकी मदद करके आपको क्या फ़ायदा होता है?” मैंने कहा।

वे मुस्कुराए।

“नांदो, यह याद रखना:

सुबह सूरज सबके लिए उगता है।”

अलविदा, पापा। — फर्दिनांदो